248 246 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

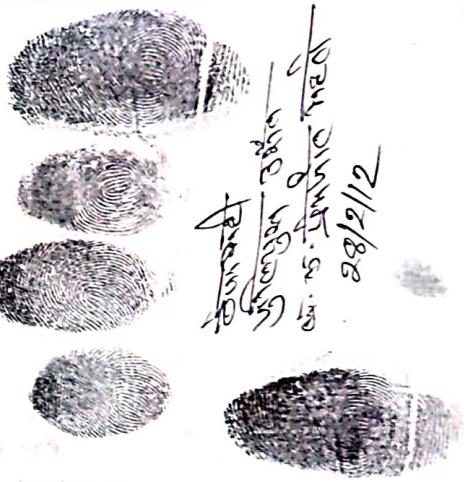

16

साम्प्रदायिक सद्भाव

COMMUNAL HARMONY

27 'A' with the permission by L.R.D.C. Simdega vide case No. 291/12-13 order dt. 18.2.13

25/2/13

॥1॥ लेख्यकारी:- श्री जुलियुस उराँव पिता स्व0 जोहन उराँव, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- खिजरी सामटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 134/2013

66/13

000033/13

58/23.2.13

जुलियुस उरांव
पता ग्राम ... जिला सिमडेगा को
निम्नलिखित ननजुडिशियल स्टांप
बाबत ...केवाला...
रकम 7200/-

कोषागार लिपिक

कार्यालय जिला कोषागार
23 FEB 2013
23.2.13
सिमडेगा

5000×1 = 5000-
1000×2 = 2000-
100×2 = 200-
कुल - 7,200-

जुलियुस उरांव
28/2/13
25-3-13

25-03-13 to 10 to 1

उपरोक्त दस्तावेज निबंधन कार्यालय सिमडेगा में ... के द्वारा ... निबंधन हेतु प्रस्तुत किया गया।

निबंधक
25.3.13

जिला अवर निबंधक सिमडेगा
सत्यमेव जयते
सिमडेगा, झारखंड

1000Rs.

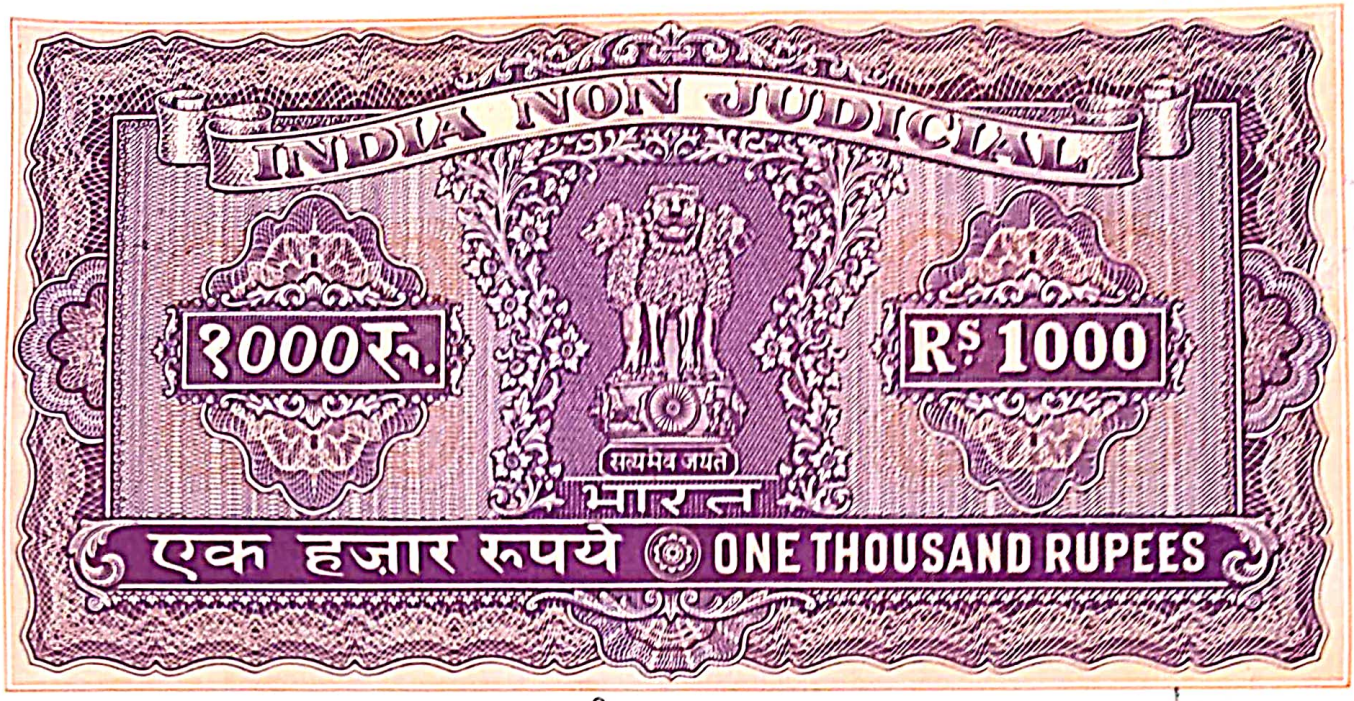

{2} लेखयधारिणी:- सुश्री मंजुला मिंज पिता श्री जेम्स मिंज, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- खिजरी सामटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 135/2013

{3} लेखयप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

{4} मूल्य:- मोबलिग एक लाख अस्सी हजार रूपये अंके 1,80,000/- रूपये होता है ।

{5} सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- खिजरी सामटोली महतोटोली थाना- सिमडेगा, थाना नं0 105, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 168 {एक सौ अरसठ} प्लॉट नं0 2707 {सताईस सौ सात} रकबा 0.02 एकड़ {दो डिसमिल} वो प्लॉट नं0 2706 {सताईस सौ छः} रकबा 0.10 एकड़ {दस डिसमिल}, कुल एक खाता के दो प्लॉट का जुमला रकबा 0.12 एकड़ {बारह डिसमिल} शहरी क्षेत्र के चार भागों में से विक्रय वाली जमीन आवासीय क्षेत्र में पड़ता है, जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

प्लॉट नं0 2707 का चौहद्दी:-
उत्तर:- नाला प्लॉट नं0 2709,
दक्षिण:- प्लॉट नं0 2708 टांड़,
पूरब :- परती नाला प्लॉट नं0 2709,
पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश ।

प्लॉट नं0 2706 का चौहद्दी:-
उत्तर:- परती नाली प्लॉट नं0 2709,

1000Rs.

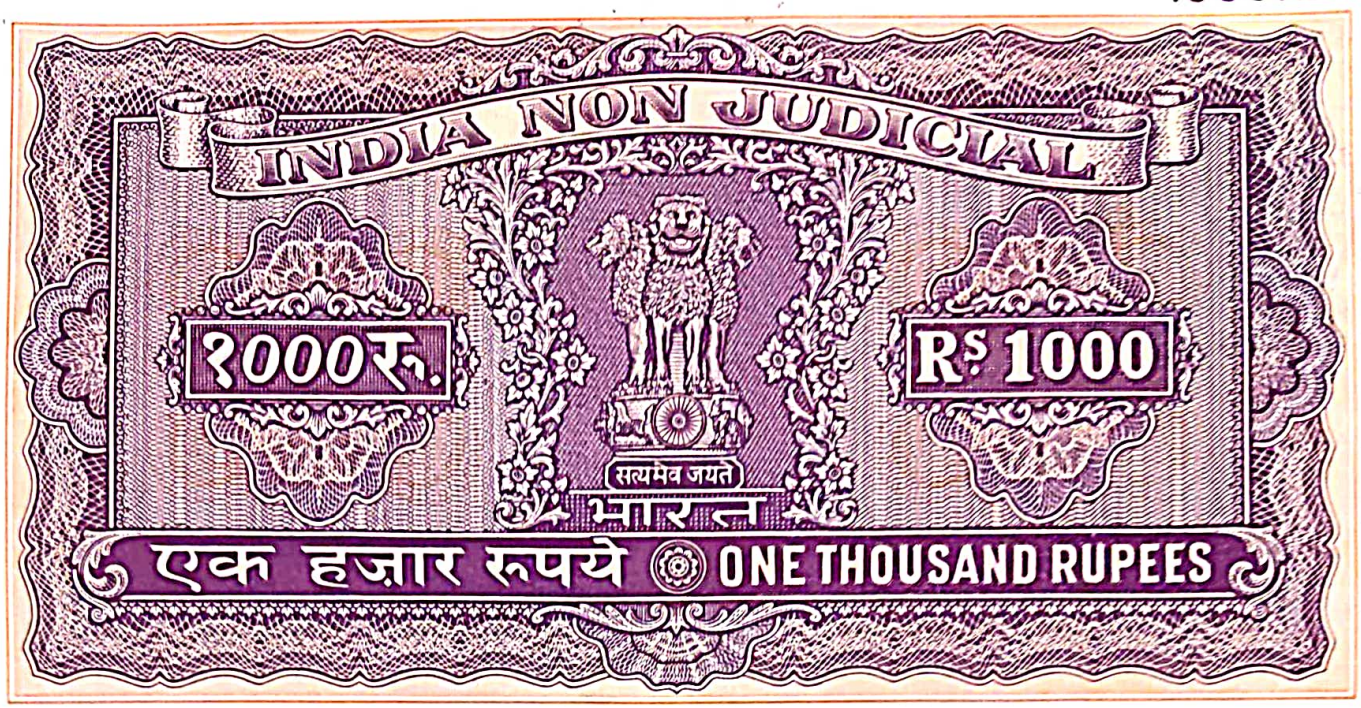

दक्षिण:- प्लॉट नं0 2710 टाड़,
पूरब :- इसी प्लॉट का अंश,
पश्चिम:- परती नाला प्लॉट नं0 2709,
मालगुजारी 5 पैसा {पाँच पैसा} अलावे सेस सलाना ।

28/2/13

{1} चूँकि मुझ लेखयकारी को बीमारी का इलाज कराने एंव अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेखयधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

{2} इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेखयधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेखयधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

{3} मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खतियानी है । खतियान में मेरे पिता जोहन उराँव के नाम से नाप दर्ज है । उक्त जमीन का मेरे नाम से उत्तराधिकारी दाखिल खारिज हो चुका है । जिसका वाद संख्या 119/2004-05 है । मालगुजारी रसीद मेरे नाम से कटता है । उक्त जमीन पर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

{4} चुँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 291/2012-13 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 18.02.2013 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 192{।} दिनांक 18.02.2013 है ।

{5} अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

{6} इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

उक्त बिक्री की जानेवाली जमीन भू-हदबंदी, कैसरे हिन्द, खास महल, सैरात, लीज, भू-दान, बंदोवस्ती, गैर मजरूआ के तहत नहीं है ।

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

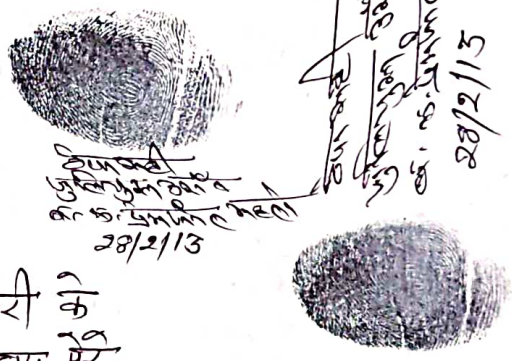

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बाँये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
28.02.2013

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

Manjula Minj
28/2/2013

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी के बाँये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
28.02.2013

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
(प्रारूपकर्त्ता)
तारीखः- 28.02.2013

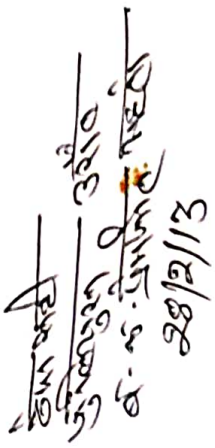

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल छः पृष्ठों में कुल 638 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
मो. मकसुद
28.2.13
मो० मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।